THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SATISH AGARWAL): So, I see that the consensus in the H'ouse is that the copyrigt (Amendment) Bill be disposed of fist. Now, Kumari Selja to move the Bill for consideration.

The Copyright (Amendment) Bill, 1994

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOEMENT (DEPARTMENT OF EDUCATION AND DEPARTMENT OF CULTURE) (KUARI SELJA): Sir, before I move the Bill, I want to make just one clarification. It appears there is a printing mistake in the title of the Copyright (Second Amendment) Bill listed in today's List of Business of the Rajya Sabha against my name, insofar as the word "Second" shown therein is concerned. Therefore, the title of the Bill may kindly be read as "The Copyright (Amendment) Bill, 1994".

Sir, I beg to move:

"That the Bill further to amend the Copyright Act, 1957, as passed by the Lok Sabha, *be* taken into consideration."

The Question was put and the mction was adopted.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SATISH AGARWAL): We shall now take up clause-by-clause consideration of the Bill. There are no amendments.

Clauses 2 *to* 24 *were added to the Bill.*

Clause 1 *the Enacting Formula and* Mr. Raj Babar.

KUMARI SELJA: Sir, I move: "That the Bill be passed."

The question *was put and the motion was adopted.*

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SATISH AGARWAL): I thank all the Members in this House for the excellent cooperation extended to me.

KUMARI SELJA): Thank you, Sir.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SATISH AGARWAL): You have to say thanks with regards. Anyway, let us take up the Special Mentions now.

SPECIAL MENTIONS

MandraxTablets

उपसभाध्यक्ष (श्री सतीश अग्रवाल) : आनन्दी बेन पटेल आप क्या बोल रही थीं ।

श्रीमती आनन्दी बेन जेठाभाई पटेल : मैं कह रही थी कि मुझे जल्दी जाना है ।

उपसभाध्यक्ष (श्री सतीश अग्रवाल): तो फिर उतनी ही जल्दी बोलिए, आपको जितनी जल्दी जाना है ।

SHRI JAGESH DESAI (Maharashtra): Sir, everybody wants to go early.

उपसभाध्यक्ष : आप को सदन की अनुमति से मैं बोलने की इजाजत दे रहा हूं, आप जितनी जल्दी बोलेंगी, उतनी जल्दी हो जाएगा ।

SHRI JAGESH DESAI: I wi]I take my own time.

THE VICE-CHARMAN (SHRI SATISH AGARWAL): Okay, let me have the list,

श्रीमती आनन्दी जेठाभाई पटेल (गुजरात) : उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से एक गंभीर और खतरनाक मुद्दे की ओर सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहती हूं ।

आज गुजरात के अहमदाबाद शहर में से राजस्व गुप्तचर निदेशालय के अधिकारियों ने छापा मारकर 50 करोड़ रुपए की मेनड्रेक्स की गोलियां जब्त की हैं । ये गोलियां जामनगर क्षेत्र में दो ट्रकों से बरामद की गई । 5 मीट्रिक टन वजन की ये नशीली गोलियां ट्रकों में गेहूं के बोरों के नीचे स्टील के ड्रमों में छिपाकर रखी गई थीं । इन्हें जानमनगर के सलाया बंदरगाह से खाड़ी-देशों के लिए तस्करी से भेजे जाने की योजना थी । महोदय, यह नशीली गोलियां पहली बार जब्त नहीं हुई हैं । चार मास पहले चार करोड़ रुपए की गोलियां जब्त की गई थीं । बाद में 18 करोड़ रुपए की गोलियां गांधी नगर से जब्त की गई थीं और यह तीसरी बार है जब 50 करोड़ रुपए की नशीली गोलियां जब्त की गई हैं ।

महोदय, मैं यह कहना चाहती हूं कि ये घटनाएं सूचित करती हैं कि गुजरात में बड़ी मात्रा में नशीली दवाओं का उत्पादन होता है । इसके पीछे दवा की कम्पनियों, स्मगलरों और राजकीय नेताओं की सांठ-गांठ है । गुजरात में उत्पादित करोड़ों रुपयों की नशीली दवाइयों में से सिर्फ एक-दो प्रतिशत दवाइयां ही तस्करी से विदेश जाती हैं, बाकी सब माल गुजरात और देश के युवाओं को बर्बाद करने के उपयोग में लाया जाता है । नशीली दवाइयों का उत्पादन करना एक राष्ट्रद्रोही कृत्य है, लेकिन गुजरात सरकार इन घटनाओं को नजरअंदाज करती है और गंभीरता से नहीं लेती ।

महोदय, गुजरात में पहले सोने-चांदी की तस्करी हुआ करती थी, इसके बाद आधुनिक शस्त्रों की तस्करी होने लगी अब नशीली दवाइयां बनाने का एक बड़ा केन्द्र गुजरात बन रहा है । आज गुजरात देश की असुरक्षा का महाद्वार बन गया है, आई. एस. आई. की प्रवृत्तियों का मुख्य केन्द्र बन गया है । मेरी जानकारी के मुताबिक गुजरात में उत्पन्न की गई नशीली दवाइयों को विदेश भेजा जाता है और बदले में विदेश से आर. डी. एक्स और आधुनिक शस्त्र लाए जाते हैं। एक तरफ नशीली दवाइयों के माध्यम से दे के युवा-धन को बर्बाद किया जा रहा है और दूसरी ओर नशीली दवाइयां बेचकर शस्त्रास्त्र और आर. डी. एक्स. लाया जाता है जिससे देश की एकता और अखंडता के लिए संकट पैदा किया जाता है नशीली दवाइयों के उत्पादन के पीछे गहरा षड्यंत्र है । यह भी कैसा योग है कि जब मेरे गुजरात में एक मुख्य मंत्री थे, तब 18 करोड़ रुपए की नशीली दवाइयां पकड़ी गई थीं और अब जब तीन मुख्य मंत्री हैं तो यह उत्पादन तीन गुना बढ़ गया है और 54 करोड़ रुपए की दवाइयां पकड़ी गई हैं। गुजरात में जैसे-जैसे मंत्रियों और मुख्य मंत्रियों की संख्या बढ़ी है, वैसे-वैसे गुनाहों की संख्या भी बढ़ती जा रही है । मैं सरकार से पूछना चाहती हूं कि भूतकाल में जब 18 करोड़ की दवाइयां पकड़ी गई थी, तब क्या किसी को पकड़ा गया ? कितनी कम्पनियों पर रोक लगाई गई ? निर्दोष किसानों पर बेरहम टाडा का उपयोग करने वाली इस सरकार से मैं पूछना चाहती हूं कि ऐसे देशद्रोहियों को क्यों नहीं पकड़ा जाता है ? क्या शासन में बैठे हुए लोग ऐसे लोगों के साथ मिले हुए हैं ? क्या केन्द्र सरकार की निष्क्रियता के विषय में कुछ कदम उठाना चाहती है ? क्या केन्द्र सरकार सीमावर्ती गुजरात की सुरक्षा के लिए कोई प्रबंध करना चाहती है ? गुजरात की सीमाओं को सील करने का वायदा इस संसद में दिया था, संसद में दिया गया यह वायदा केन्द्र सरकार निभाएगी या वायदा केवल वायदा ही रहेगा ? मैं कहना चाहती हूं कि अगर वायदा ही रहा तो दवाइयां बनती ही जाएंगी और देश बर्बाद होता जाएगा । धन्यवाद ।

THE V1CE-CHARMAN (SHRI SATISH AGARWAL): Some hon. Members had asked for permission to raise during the zero Hour some issues which have been converted into Special Mentions. So, first I wjtf call them.

Mr. Sanjay Dalmia not present.

Mr. Chaturanan Miahra not present.

Mr. Kaj Babbar.